प्रश्नकोश

1. **निम्नलिखित में से किसने खिलाफत आंदोलन का प्रारंभ किया था? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–**

   1. शौकत अली **2. मुहम्मद अली**

   3. शरीयतुल्ला **4. अबुल कलाम आजाद**

   कूट :

   (a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 4

   (c) 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3, 4

   U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

खिलाफत आंदोलन भारत में मुख्यतः मुसलमानों द्वारा चलाया गया राजनीतिक-धार्मिक आंदोलन था। इस आंदोलन का उद्देश्य तुर्की में खलीफा के पद की पुनः स्थापना कराने के लिए अंग्रेजों पर दबाव बनाना था। खिलाफत आंदोलन प्रारंभ करने के लिए गठित खिलाफत कमेटी में शौकत अली, मुहम्मद अली, अबुल कलाम आजाद, हकीम अजमल खान, हसरत मोहानी तथा डॉ. अंसारी शामिल थे। तथापि खिलाफत आंदोलन प्रारंभ करने का श्रेय मुख्यतः अली बंधुओं-शौकत अली एवं मुहम्मद अली को दिया जाता है। हाजी शरीयतुल्ला 19 वीं शती के फरायजी आंदोलन के संस्थापक थे।

2. **'खिलाफत आंदोलन' के प्रमुख नेता निम्नलिखित में से कौन थे?**

   (a) मौलाना मोहम्मद अली और शौकत अली

   (b) मोहम्मद अली जिन्ना और शौकत अली

   (c) मौलाना अबुल कलाम आजाद और रफी अहमद किदवई

   (d) रफी अहमद किदवई और शौकत अली

   U.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. **खिलाफत आंदोलन के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन-कौन से थे?**

   1. भारत के मुसलमानों में ब्रिटिश विरोधी भावना उत्पन्न करना

   2. मुस्लिम समाज का सुधार

   3. पृथक निर्वाचक मंडल की मांग और खिलाफत का रक्षण

   4. ऑटोमन साम्राज्य की रक्षा और खिलाफत का रक्षण

   नीचे दिए हुए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

   (a) 1 और 2 (b) 2 और 3

   (c) 3 और 4 (d) 1 और 4

   I.A.S. (Pre) 1993

Scanned with OKEN Scanner

भारत के मुसलमान तुर्की के सुल्तान को इस्लामी साम्राज्य का खलीफा मानते थे। प्रथम विश्व युद्ध में तुर्की मित्र देशों के विरुद्ध लड़ रहा था। युद्ध के समय ब्रिटिश राजनीतिज्ञों ने भारतीय मुसलमानों को वचन दिया था कि वे तुर्की साम्राज्य को किसी प्रकार समाप्त नहीं होने देंगे, लेकिन युद्ध समाप्त होने के बाद ब्रिटिश सरकार ने तुर्की साम्राज्य का विघटन कर दिया। भारतीय मुसलमान ब्रिटिश साम्राज्य से नफरत करने लगे और उन्होंने तुर्की के ऑटोमन साम्राज्य की रक्षा और खलीफा को बनाए रखने के लिए आंदोलन प्रारंभ किया। तुर्की साम्राज्य के विभाजन के विरुद्ध शुरू हुए खिलाफत आंदोलन ने उस समय अधिक जोर पकड़ लिया, जब इसमें गांधीजी सम्मिलित हुए।

4. वर्ष 1919 में अखिल भारतीय खिलाफत सम्मेलन का अध्यक्ष किसे चुना गया?

(a) महात्मा गांधी (b) मुहम्मद अली जिन्ना
(c) मौलाना शौकत अली (d) मोतीलाल नेहरू

U.P. P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(a)

अंग्रेजों द्वारा तुर्की साम्राज्य का विभाजन करने के विरुद्ध खिलाफत आंदोलन प्रारंभ हुआ। दिल्ली में 23-24 नवंबर, 1919 को होने वाले खिलाफत कमेटी के सम्मेलन में 24 नवंबर को अध्यक्षता महात्मा गांधी को प्रदान की गई। दिसंबर, 1919 में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अमृतसर अधिवेशन से खिलाफत आंदोलन को और अधिक बढ़ावा मिला। गांधीजी ने इसे हिंदू-मुस्लिम एकता के एक ऐसे स्वर्णिम अवसर के रूप में देखा, जो आगे सौ वर्षों में भी नहीं प्राप्त हो सकता। तदनुसार उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन में भारतीय मुसलमानों का सहयोग प्राप्त करने के लिए खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया।

5. महात्मा गांधी ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन क्यों किया?

(a) खलीफा ने क्रांतिकारियों को शरण दी थी
(b) गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ अपने आंदोलन में भारतीय मुसलमानों का सहयोग प्राप्त करना चाहा था
(c) खलीफा ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का समर्थन किया
(d) खलीफा गांधीजी के अच्छे मित्र थे

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. खिलाफत आंदोलन को समर्थन दिया था–

(a) ह्यूम ने (b) सर सैयद ने
(c) कर्जन ने (d) गांधीजी ने

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. किसने खिलाफत आंदोलन को 'हिंदुओं और मुसलमानों की एकता के एक ऐसे अवसर' के रूप में देखा जो सौ वर्षों में भी पुनः प्रस्तुत नहीं होगा?

(a) अली बंधु (b) अबुल कलाम आजाद
(c) महात्मा गांधी (d) खान अब्दुल गफ्फार खां

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. निम्नलिखित में से किस एक ने खिलाफत आंदोलन के दौरान हाज़िक्-उल-मुल्क की पदवी त्याग दी थी?

(a) मौलाना अबुल कलाम आजाद (b) मोहम्मद अली
(c) शौकत अली (d) हकीम अजमल खां

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(d)

हकीम अजमल खां ने खिलाफत आंदोलन के दौरान हाज़िक्-उल-मुल्क (Haziq-ul-Mulk) की पदवी त्याग दी थी। यह पदवी ब्रिटिश सरकार द्वारा वर्ष 1908 में उन्हें प्रदान की गई थी।

9. गांधीजी को किसने सावधान किया था कि मुस्लिम धार्मिक नेताओं और उनके अनुयायियों के कट्टरपन को प्रोत्साहित न करें?

(a) आगा खां (b) अजमल खां
(c) हसन इमाम (d) मुहम्मद अली जिन्ना

U.P. P.C.S. (Pre) 2002
U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(d)

मुहम्मद अली जिन्ना (जब वे राष्ट्रवादी थे) खिलाफत आंदोलन को देश की स्वतंत्रता के आंदोलन से जोड़ने के विरोधी थे। उन्होंने गांधीजी को राजनीति में धर्म को न लाने की सलाह दी थी। उन्होंने खिलाफत आंदोलन में गांधीजी की भागीदारी के विरुद्ध गांधीजी को सावधान किया था कि वे मुस्लिम धार्मिक नेताओं एवं उनके अनुयायियों के कट्टरपन को प्रोत्साहित न करें।

10. निम्नलिखित में से किसने महात्मा गांधी की खिलाफत आंदोलन में भागीदारी की भर्त्सना की थी?

(a) मुहम्मद अली (b) शौकत अली
(c) अबुल कलाम आजाद (d) एम.ए. जिन्ना

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

मुहम्मद अली जिन्ना ने महात्मा गांधी की धार्मिक नेताओं द्वारा प्रारंभ खिलाफत आंदोलन में भागीदारी की भर्त्सना की थी, जबकि मौलाना मुहम्मद अली, शौकत अली, अबुल कलाम आजाद, हकीम अजमल खां और हसरत मोहानी खिलाफत आंदोलन में गांधीजी के प्रमुख सहयोगी थे।

11. निम्नलिखित में से खिलाफत आंदोलन का परिणाम कौन था?

(a) हिंदू-मुस्लिम मतभेदों में कमी आई

(b) भाषा की समस्या तीव्र हुई

(c) हिंदू-मुस्लिम दंगे बढ़े

(d) हिंदुओं को दबाया गया

U.P. P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

गांधीजी ने खिलाफत आंदोलन को हिंदू-मुस्लिम एकता का एक सुनहरा अवसर माना। अतः इस आंदोलन का परिणाम हिंदू-मुस्लिम एकता के रूप में सामने आया। तुर्की के प्रश्न पर, ब्रिटेन के प्रति आक्रोश ने मुसलमानों को हिंदुओं के समीप ला दिया था।

12. वह व्यक्ति जिसने 4 अप्रैल, 1919 को दिल्ली की जामा मस्जिद के प्रवचन मंच से हिंदू-मुस्लिम एकता पर भाषण दिया, वे थे-

(a) महात्मा गांधी (b) महामना मालवीय

(c) लाला लाजपत राय (d) स्वामी श्रद्धानंद

U.P. Lower Sub. (Pre)2004

उत्तर–(d)

4 अप्रैल, 1919 को दिल्ली की जामा मस्जिद के प्रवचन मंच से स्वामी श्रद्धानंद ने हिंदू-मुस्लिम एकता पर लगभग 30,000 मुस्लिमों के समक्ष भाषण दिया था।

13. कांग्रेस ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया, मुख्यतः –

1. खलीफा की पुनःस्थापना के लिए

2. खलीफा को हटाने के लिए

3. मुसलमानों की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए

4. कांग्रेस में जिन्ना को हाशिए पर लाने के लिए

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(a) 1 और 3 (b) 2 और 4

(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

U.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(a)

कांग्रेस ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन खलीफा की पुनःस्थापना के लिए तथा मुसलमानों की सहानुभूति पाने के लिए किया था। गांधीजी के अनुसार, यह हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए स्वर्णिम अवसर था। उन्होंने लिखा कि "जब मुसलमानों के महत्वपूर्ण हित खतरे में हों, तब यदि हिंदू उनसे दूर रहे तो हिंदू-मुस्लिम एकता के बारे में कांग्रेस का कोई अर्थ नहीं रहेगा।"

14. निम्नांकित में से किस भारतीय नेता ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन नहीं किया था?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) मदन मोहन मालवीय

(c) मोहम्मद अली (d) स्वामी श्रद्धानंद

U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2008

U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(b)

सितंबर, 1920 में कलकत्ता में हुए कांग्रेस के अधिवेशन का प्रमुख मुद्दा जलियांवाला बाग कांड और खिलाफत आंदोलन था। खिलाफत आंदोलन में मदन मोहन मालवीय सम्मिलित नहीं हुए थे तथा उन्होंने इस आंदोलन में कांग्रेस की भागीदारी का विरोध किया था। सितंबर, 1919 में अखिल भारतीय खिलाफत कमेटी का गठन किया गया था।

15. वर्ष 1920 की खिलाफत कमेटी की सभा, जिसने गांधी को असहयोग आंदोलन के नेतृत्व को संभालने का अनुरोध किया था वह किस शहर में हुई थी?

(a) लखनऊ (b) लाहौर

(c) इलाहाबाद (d) कराची

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(c)

गांधीजी ने वर्ष 1920 में खिलाफत कमेटी को अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ असहयोग आंदोलन छेड़ने की सलाह दी। जून, 1920 में खिलाफत कमेटी ने इलाहाबाद में इस सलाह को स्वीकार किया और गांधीजी को आंदोलन की अगुआई करने का अधिकार सौंपा। सितंबर, 1920 में कलकत्ता के विशेष अधिवेशन में लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में असहयोग आंदोलन के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया।

16. "इस मिसाल में हम मुसलमानों को हिंदुओं से भिड़ा नहीं पाए।" निम्नलिखित में से कौन-सी एक घटना से एचिंसन के इस कथन का संबंध है?

(a) 1857 का विप्लव

(b) चंपारन सत्याग्रह (1917)

(c) खिलाफत और असहयोग आंदोलन (1919-22)

(d) 1942 की अगस्त क्रांति

I.A.S. (Pre) 2000

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

एचिंसन की उक्त टिप्पणी खिलाफत और असहयोग आंदोलन (1919-22) के संदर्भ में थी। ध्यातव्य है कि तुर्की के प्रश्न पर ब्रिटेन के प्रति आक्रोश ने, मुसलमानों को हिंदुओं के समीप ला दिया था। मुहम्मद अली ने घोषणा की थी कि वह मुसलमान पहले हैं और भारतीय बाद में।

17. 1921 का मोपला आंदोलन शाखा थी–

(a) खिलाफत आंदोलन की (b) 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की

(c) स्वदेशी आंदोलन की (d) असहकार आंदोलन की

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(a)

केरल प्रांत के मालाबार जिले के मोपला काश्तकारों के आंदोलन मुख्यत: लगान एवं बेदखली को लेकर थे। जमींदार जब चाहते उन्हें भूमि से बेदखल कर देते और जब चाहते मनमाना लगान वसूलते। दूसरी ओर, वहां खिलाफत आंदोलन भी अपनी जड़ें जमाता जा रहा था। हालात ये हो गए कि खिलाफत आंदोलन एवं काश्तकारों की बैठक में फर्क करना मुश्किल हो गया। इस तरह दोनों आंदोलन एक-दूसरे में समा गए।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित में से किसने 1920 के नागपुर के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में असहयोग के प्रस्ताव को प्रस्तावित किया था?

(a) सी.आर. दास ने
(b) एनी बेसेंट ने
(c) बी.सी. पाल ने
(d) मदन मोहन मालवीय ने

U.P.P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

सितंबर, 1920 में कलकत्ता में संपन्न भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विशेष अधिवेशन में महात्मा गांधी ने असहयोग के प्रस्ताव को प्रस्तावित किया था, जिसका सी.आर. दास ने विरोध किया था। दिसंबर, 1920 में नागपुर में संपन्न कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में असहयोग प्रस्ताव पर व्यापक चर्चा हुई तथा इसका अनुसमर्थन किया गया। नागपुर अधिवेशन में असहयोग प्रस्ताव सी.आर. दास ने ही प्रस्तावित किया था।

2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहला असहयोग आंदोलन किस वर्ष में शुरू किया था?

(a) 1917 (b) 1918

(c) 1920 (d) 1928

M.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(c)

वर्ष 1920 में कलकत्ता में कांग्रेस के विशेष अधिवेशन में पास हुए असहयोग संबंधी प्रस्ताव की दिसंबर, 1920 में नागपुर में हुए कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में पुष्टि कर दी गई। असहयोग आंदोलन 1 अगस्त, 1920 से आरंभ हुआ था।

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने असहयोग आंदोलन किस वर्ष प्रारंभ किया था?

(a) 1918 ई. में (b) 1919 ई. में

(c) 1920 ई. में (d) 1921 ई. में

U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

53rd to 55th B.P.S.C. (pre) 2011

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. महात्मा गांधी द्वारा चलाया गया प्रथम जन आंदोलन था–

(a) असहयोग आंदोलन (b) नमक आंदोलन

(c) भारत छोड़ो आंदोलन (d) नील आंदोलन

U.P.P.C.S. (Pre) 2007

उत्तर–(a)

गांधीजी के नेतृत्व में पहला आंदोलन वर्ष 1917 में चंपारन के नील की खेती करने वाले किसानों के समर्थन में किया गया था। यह गांधीजी का प्रथम किसान सत्याग्रह था। गांधीजी के नेतृत्व में किया जाने वाला पहला जन आंदोलन असहयोग आंदोलन को माना जाता है, जो वर्ष 1920-22 में चलाया गया था।

5. खिलाफत के प्रश्न पर असहयोग आंदोलन कब शुरू हुआ?

(a) 1918 (b) 1920

(c) 1922 (d) 1924

M.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

सितंबर, 1920 में लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में कलकत्ता में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विशेष अधिवेशन में महात्मा गांधी की प्रेरणा से एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें दो अन्यायपूर्ण कार्यों के विरोध में असहयोग आंदोलन प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया–(1) खिलाफत मुद्दे के प्रति ब्रिटिश सरकार का दृष्टिकोण, (2) पंजाब के निर्दोष लोगों की रक्षा न करने तथा उनसे बर्बर व्यवहार करने वाले अपराधी अधिकारियों को दंडित करने में ब्रिटिश सरकार की विफलता।

6. निम्न में से कौन-सा एक असहयोग आंदोलन को प्रारंभ करने का कारण नहीं था?

(a) खिलाफत का प्रश्न (b) नमक कानून

(c) पंजाब में अत्याचार (d) रौलेट एक्ट

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. गांधीजी ने असहयोग आंदोलन कब प्रारंभ किया?

(a) 1920 (b) 1919

(c) 1921 (d) 1922

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन 1 अगस्त, 1920 को प्रारंभ किया गया। पश्चिमी भारत, बंगाल तथा उत्तरी भारत में असहयोग आंदोलन को अभूतपूर्व सफलता मिली। असहयोग आंदोलन के दौरान ही मोतीलाल नेहरू, लाला लाजपत राय, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू तथा राजेंद्र प्रसाद न्यायालय का बहिष्कार कर आंदोलन में कूद पड़े थे।

8. 'एक वर्ष में स्वराज' का नारा गांधीजी ने कब दिया?

(a) दांडी मार्च के समय

(b) असहयोग आंदोलन के समय

(c) सविनय अवज्ञा आंदोलन के समय

(d) गोलमेज सम्मेलन के समय

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(b)

असहयोग आंदोलन 1 अगस्त, 1920 को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया था। गांधीजी ने असहयोग आंदोलन शुरू होने के 'एक वर्ष के भीतर स्वराज' प्राप्त करने का नारा दिया।

Scanned with OKEN Scanner

9. 1919 के सुधारों की भारतीयों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने में असफलता के साथ, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 'स्वराज' अथवा 'स्वशासन' हेतु आंदोलन किया, नेतृत्व में-

(a) महात्मा गांधी के (b) जी.के. गोखले के
(c) बाल गंगाधर तिलक के (d) मोतीलाल नेहरू के

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. "एक वर्ष के भीतर स्वराज की प्राप्ति" लक्ष्य था-

(a) सविनय अवज्ञा आंदोलन का
(b) गृहशासन आंदोलन का
(c) खिलाफत आंदोलन का
(d) असहयोग आंदोलन का

U.P. P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा असहयोग आंदोलन के संबंध में सही नहीं है?

(a) इस आंदोलन की अवधि वर्ष 1920 से 1922 तक थी।
(b) एक वर्ष के भीतर स्वराज की प्राप्ति इसका लक्ष्य था।
(c) इसमें बहिष्कार की योजना थी।
(d) एम.ए. जिन्ना ने इस आंदोलन का समर्थन किया था।

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर-(d)

असहयोग आंदोलन 1 अगस्त, 1920 को प्रारंभ हुआ, किंतु 4 फरवरी, 1922 को हुए चौरी-चौरा कांड के कारण महात्मा गांधी ने इसे वापस ले लिया था। असहयोग आंदोलन का लक्ष्य 'एक वर्ष के भीतर स्वराज की प्राप्ति' था। इसके साथ ही सरकारी उपाधि, स्कूल न्यायालयों तथा विदेशी सामानों का पूर्णतः बहिष्कार की योजना भी थी, परंतु मोहम्मद अली जिन्ना ने इसका समर्थन नहीं किया, अपितु इसका विरोध किया था।

12. गांधीजी के असहयोग आंदोलन में लोगों को शराब से परहेज करने का आग्रह किया गया। फलस्वरूप सरकार के राजस्व में भारी कमी आयी। एक प्रदेश की सरकार ने लोगों को फिर से शराब पीने को प्रेरित करने के लिए प्रमुख व्यक्तियों की एक सूची प्रसारित की जो शराब पीते थे। उस प्रदेश का नाम बताइए।

(a) आंध्र प्रदेश (b) बिहार
(c) बॉम्बे (d) गुजरात
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर-(b)

गांधीजी के असहयोग आंदोलन के फलस्वरूप लोगों के शराब से परहेज करने के चलते सरकार के राजस्व में भारी कमी आयी। अतः बिहार एवं ओडिशा की सरकार ने शराब को स्वास्थ्य के लिए हितकर प्रभावों को प्रचारित एवं प्रसारित करने के लिए ऐसे महान एवं प्रसिद्ध लोगों की एक सूची जारी की, जो शराब का सेवन करते थे। इस सूची में सिकंदर, जूलियस सीजर, नेपोलियन, शेक्सपियर आदि शामिल थे।

13. नीचे कथनों पर ध्यान दीजिए-असहयोग आंदोलन से-

1. कांग्रेस सर्वप्रथम जन-आंदोलन बनी।
2. हिंदू-मुस्लिम एकता में वृद्धि हुई।
3. जनता के मन से ब्रिटिश 'शक्ति' का भय हट गया।
4. ब्रिटेन की सरकार भारतीयों को राजनीतिक रियायतें देने को राजी हुई।

इन कथनों में से-

(a) 1, 2, 3 और 4 सही हैं (b) 1, 2 और 3 सही हैं
(c) 1 और 3 सही हैं (d) 3 और 4 सही हैं

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर-(b)

असहयोग आंदोलन की अनेक सफलताएं हैं, इसी आंदोलन ने पहली बार देश की जनता को इकट्ठा किया। अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर कोई यह आरोप नहीं लगा सकता था कि वह कुछ मुट्ठी भर लोगों का प्रतिनिधित्व करती है। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने जनता को आधुनिक राजनीति से परिचित कराया एवं उनमें आजादी की भूख जगाई। मालाबार की घटनाओं के बावजूद इस आंदोलन में बड़े पैमाने पर मुसलमानों की भागीदारी और सांप्रदायिक एकता आंदोलन की कोई छोटी उपलब्धि नहीं थी। साथ ही इस आंदोलन से जनता के मन से ब्रिटिश 'शक्ति' का भय हट गया। तथापि चौरी-चौरा कांड के बाद इस आंदोलन को समाप्त कर दिया गया और ब्रिटिश सरकार से भारत को कोई राजनीतिक रियायत भी प्राप्त नहीं हुई।

14. ब्रिटिश सरकार ने महात्मा गांधी को जो उपाधि दी थी और जिसे उन्होंने असहयोग आंदोलन में वापस कर दिया, वह थी-

(a) हिंद केसरी (b) कैसर-ए-हिंद
(c) रायबहादुर (d) राइटच ऑनरबल

I.A.S. (Pre) 1993
U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर-(b)

Scanned with OKEN Scanner

जिस समय गांधीजी भारत आए (1915), उस समय प्रथम विश्व युद्ध चल रहा था। उन्होंने सरकार के युद्ध प्रयासों में मदद की, जिसके लिए सरकार ने उन्हें 'कैसर-ए-हिंद' सम्मान से सम्मानित किया, जिसे उन्होंने असहयोग आंदोलन में वापस कर दिया। अन्य लोगों ने भी गांधीजी का अनुकरण करते हुए अपनी पदवियों एवं उपाधियों को त्याग दिया यथा- जमनालाल बजाज ने अपनी 'राय बहादुर' की उपाधि वापस कर दी।

15. निम्न में से किसने असहयोग आंदोलन के दौरान अपनी वकालत छोड़ दी थी?

(a) महात्मा गांधी ने (b) मदन मोहन मालवीय ने

(c) तेज बहादुर सप्रू ने (d) चितरंजन दास ने

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

असहयोग आंदोलन के दौरान सी.आर. दास, मोतीलाल नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू, विट्ठलभाई पटेल एवं वल्लभभाई पटेल ने अपनी वकालत छोड़ दी थी।

16. निम्नलिखित में से किसने असहयोग आंदोलन को समर्थन दिया, परंतु इसके परिणाम नहीं देख सके?

(a) बाल गंगाधर तिलक (b) लाला लाजपत राय

(c) मोतीलाल नेहरू (d) चितरंजन दास

U.P. P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

असहयोग आंदोलन महात्मा गांधी के नेतृत्व में वर्ष 1920 से 1922 तक संचालित हुआ। बाल गंगाधर तिलक ने असहयोग आंदोलन को समर्थन दिया, परंतु इस आंदोलन के प्रथम दिन 1 अगस्त, 1920 को उनकी मृत्यु हो जाने के कारण वह इसका परिणाम नहीं देख सके।

17. किस क्षेत्र में राहुल सांकृत्यायन 1920 के असहयोग आंदोलन में सक्रिय थे?

(a) छपरा (b) दिल्ली

(c) लखनऊ (d) पटना

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(a)

राहुल सांकृत्यायन (1893-1963) आजमगढ़, उत्तर प्रदेश के थे। असहयोग आंदोलन के दौरान वह छपरा में बाढ़ पीड़ितों की सहायता में सक्रिय थे तथा गांधीवादी आंदोलन से जुड़े थे।

18. निम्नलिखित में से कौन चौरी-चौरा कांड की वास्तविक तिथि है?

(a) फरवरी 5, 1922 (b) फरवरी 4, 1922

(c) फरवरी 2, 1922 (d) फरवरी 6, 1922

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

U.P. P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(b)

शहीद स्मारक चौरी-चौरा के अनुसार, चौरी-चौरा कांड की वास्तविक तिथि 4 फरवरी, 1922 है। इस तिथि को संयुक्त प्रांत के गोरखपुर जिले में चौरी-चौरा नामक स्थान पर किसानों के एक जुलूस पर गोली चलाए जाने के कारण क्रुद्ध भीड़ ने थाने में आग लगा दी, जिससे 23 सिपाहियों की मृत्यु हो गई। यही घटना इतिहास में चौरी-चौरा कांड के नाम से प्रसिद्ध है।

19. फरवरी, 1922 में पुलिस चौकी में आग लगाने की घटना से संबंधित 'चौरी चौरा' किस राज्य में है?

(a) राजस्थान (b) मध्य प्रदेश

(c) बिहार (d) उत्तर प्रदेश

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re. Exam), 2021

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. चौरी-चौरा किस जनपद में स्थित है?

(a) देवरिया (b) गोरखपुर

(c) कुशीनगर (d) महाराजगंज

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. किस घटना के कारण गांधीजी ने असहयोग आंदोलन (Non-Cooperation Movement) वापस लिया था?

(a) काकोरी कांड (b) चौरी-चौरा कांड

(c) जलियांवाला बाग कांड (d) मुजफ्फरपुर कांड

46th B.P.S.C. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

4 फरवरी, 1922 को हुए चौरी-चौरा कांड से क्षुब्ध होकर महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया। 12 फरवरी, 1922 को बारदोली में हुई कांग्रेस की बैठक में आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। आंदोलन समाप्त करने के अपने निर्णय के बारे में गांधीजी ने 'यंग इंडिया' में लिखा कि–"आंदोलन हिंसक होने से बचाने के लिए मैं हर एक अपमान, हर एक यंत्रणापूर्ण बहिष्कार यहां तक कि मौत भी सहने को तैयार हूं।"

Scanned with OKEN Scanner

22. **महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया, क्योंकि–**
(a) आम जनता का समर्थन संतोषजनक नहीं था
(b) मुसलमानों ने आंदोलन से अपने आपको अलग रखा
(c) ब्रिटिश सरकार ने कांग्रेस पार्टी की मांगों को सहृदयतापूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया
(d) चौरी-चौरा में हिंसा भड़क उठी

U.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. **महात्मा गांधी ने 1922 में असहयोग आंदोलन क्यों वापस ले लिया था?**
(a) अधिकतर नेता गिरफ्तार कर लिए गए थे एवं जेल में थे
(b) अंग्रेज अंशतः मांगें मानने को तैयार हो गए थे
(c) चौरी-चौरा में हुई हिंसा के कारण
(d) उन्हें आंदोलन की सफलता की कोई संभावना नहीं दिखी

U.P. P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. **निम्नलिखित में से किस प्रमुख कारण से महात्मा गांधी ने 1922 में असहयोग आंदोलन को वापस ले लिया था?**
(a) अधिकांश नेता गिरफ्तार कर लिए गए थे और जेल में थे
(b) अंग्रेज पार्टी की मांगे मानने के लिए तैयार हो गए थे
(c) उन्हें आंदोलन की सफलता को कोई संभावना नहीं दिखाई पड़ी
(d) चौरी-चौरा में हुई हिंसा

U.P. B.E.O. (Pre) 2019

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. **फरवरी, 2021 में प्रधानमंत्री जी द्वारा किस शताब्दी समारोह की शुरुआत की गई?**
(a) जालियांवाला बाग शताब्दी समारोह
(b) असहयोग आंदोलन शताब्दी समारोह
(c) चौरी-चौरा शताब्दी समारोह
(d) चंपारन शताब्दी समारोह

M.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(c)

4 फरवरी, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौरी-चौरा शताब्दी समारोह का आरंभ किया।।

26. **किस घटना के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को अपनी 'हिमालय जैसी भूल' बताई थी?**
(a) चौरी-चौरा
(b) खेड़ा सत्याग्रह
(c) नागपुर सत्याग्रह
(d) राजकोट सत्याग्रह

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(*)

जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद महात्मा गांधी ने 14 अप्रैल को नाडियाड में मार्शल लॉ के दौरान सत्याग्रह को अपनी 'हिमालय जैसी भूल' स्वीकार किया था।

27. **चौरी-चौरा की घटना के समय महात्मा गांधी कहां थे?**
(a) दिल्ली में
(b) कलकत्ता में
(c) चौरी-चौरा में
(d) बारदोली में

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर–(d)

4 फरवरी, 1922 को गोरखपुर के निकट चौरी-चौरा की घटना हुई थी और गांधीजी ने 12 फरवरी, 1922 को बारदोली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक बुलाकर असहयोग आंदोलन स्थगित करने की घोषणा की थी। चौरी- चौरा की घटना के समय गांधीजी गुजरात के बारदोली में सामूहिक सत्याग्रह द्वारा सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने की तैयारी कर रहे थे।

28. **असहयोग आंदोलन 1920 में प्रारंभ हुआ था। बताइए यह कब समाप्त हुआ?**
(a) 1920
(b) 1921
(c) 1922
(d) 1924

U.P. P.C.S. (Pre) 1990
M.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. **दिल्ली में 24 फरवरी, 1922 को आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक में असहयोग आंदोलन वापस लेने के लिए गांधीजी के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव किसने प्रस्तुत किया था?**
(a) के.टी. शाह
(b) बिपिन चंद्र पाल
(c) सुभाष चंद्र बोस
(d) डॉ. मुंजे

U.P. P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

असहयोग आंदोलन 1 अगस्त, 1920 को प्रारंभ हुआ किंतु 4 फरवरी, 1922 को हुए चौरी-चौरा कांड के कारण महात्मा गांधी ने इसे वापस ले लिया। इसी परिप्रेक्ष्य में 24 फरवरी, 1922 को आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की दिल्ली में बैठक हुई, जिसमें ऐसी सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई, जिनसे कानून का उल्लंघन होता है। इसी अधिवेशन में असहयोग आंदोलन वापस लेने के कारण डॉ. मुंजे के द्वारा गांधीजी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया।

30. असहयोग आंदोलन के स्थगन-संबंधी घटनाओं का सही क्रम इंगित करें।

(i) चौरी-चौरा में पुलिस गोलीकांड

(ii) उग्र भीड़ द्वारा पुलिस थाना को जलाना

(iii) गांधीजी द्वारा आंदोलन का स्थगन

(iv) गांधीजी की गिरफ्तारी

निम्नलिखित कूटों में से अपना उत्तर चुने–

(a) i, ii, iii एवं iv (b) ii, i, iii एवं iv

(c) iv, i, ii एवं iii (d) ii, i, iv एवं iii

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर–(a)

4 फरवरी, 1922 को चौरी-चौरा में कांग्रेस और खिलाफत का एक जुलूस निकला। कुछ पुलिस वालों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया, परिणाम स्वरूप जुलूस में शामिल एक जत्थे ने पुलिस पर हमला बोल दिया। पुलिस ने गोली चलाई, फलतः भीड़ उत्तेजित हो गई और पुलिस पर हमला बोल दिया, सिपाही भागकर थाने में घुसे, तो भीड़ ने थाने में आग लगा दी। इस घटना की खबर मिलते ही गांधीजी ने आंदोलन वापस ले लिया। 12 फरवरी, 1922 को असहयोग आंदोलन समाप्त हो गया। आंदोलन की समाप्ति के बाद गांधीजी की स्थिति थोड़ी कमजोर हो गई थी। सरकार ने इस स्थिति का फायदा उठाकर 10 मार्च, 1922 को उन्हें गिरफ्तार कर 6 वर्ष की सजा दी। इस प्रकार विकल्प (a) सही उत्तर है।

31. असहयोग आंदोलन के दौरान बिहार में कृषकों का नेतृत्व किसने किया?

(a) स्वामी विद्यानंद (b) राजकुमार शुक्ल

(c) श्रीकृष्ण सिंह (d) जे.बी. सेन

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

स्वामी विद्यानंद बिहार के किसान नेता थे। असहयोग आंदोलन (1920-22) के दौरान बिहार में कृषकों का नेतृत्व स्वामी विद्यानंद ने किया, विशेषकर उत्तर बिहार के कई जिलों में खासकर राज दरभंगा के इलाकों में स्वामी विद्यानंद रैयतों को अपने अधिकार के बारे में सचेत कर रहे थे।

32. बिहार के किस वकील ने असहयोग आंदोलन के समय अपनी लाभप्रद वकालत छोड़ दी थी?

(a) जयप्रकाश नारायण (b) राजेंद्र प्रसाद

(c) सहजानंद सरस्वती (d) राजकुमार शुक्ल

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

प्रश्नगत विकल्पों में से असहयोग आंदोलन के दौरान राजेंद्र प्रसाद द्वारा अपनी लाभप्रद वकालत छोड़ दी गई। इनके भाई महेंद्र प्रसाद द्वारा भी आंदोलन के समर्थन में राय साहब की उपाधि तथा अवैतनिक मजिस्ट्रेट के पद को त्याग दिया गया।

33. निम्नलिखित घटनाओं का सही क्रम नीचे दिए गए कूट से बतलाइए–

1. चौरी-चौरा कांड

2. असहयोग आंदोलन का स्थगन

3. बारदोली प्रस्ताव

कूट :

(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 1

(c) 1, 3, 2 (d) 2, 1, 3

U.P. P.C.S. (Pre) 2001

उत्तर–(c)

प्रश्नगत घटनाओं का सही क्रम–

(i) चौरी-चौरा कांड–4 फरवरी, 1922

(ii) बारदोली प्रस्ताव–12 फरवरी,1922

(iii) असहयोग आंदोलन का स्थगन–1922 में बारदोली में कांग्रेस की बैठक हुई, जिसमें असहयोग आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया गया और आंदोलन समाप्त हो गया।

इस प्रकार विकल्प (c) सही उत्तर है।

34. 1923-28 के काल में भारतीय राजनीति में क्रांतिकारी कार्यविधियों की पुनरावृत्ति (Revial) का कारण था–

(a) हरदयाल और लाजपत राय जैसे नेताओं का बढ़ता हुआ प्रभाव

(b) गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन का स्थगन

(c) विदेशी घटनाओं का प्रभाव

Scanned with OKEN Scanner

(d) भारतीयों की मांगों को अंग्रेजों द्वारा अस्वीकार किया जाना

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(b)

वर्ष 1922 के बाद असहयोग आंदोलन के स्थगन और देश में किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि के अभाव से बहुत से क्षमतावान राष्ट्रवादी युवाओं का मोहभंग हो गया। ये गांधीजी के नेतृत्व और अहिंसात्मक संघर्ष की राजनीति से भी असंतुष्ट थे। ये रूस, चीन, आयरलैंड, तुर्की, मिस्र आदि में कहीं भी होने वाले क्रांतिकारी आंदोलन और विद्रोह से अनुप्राणित होकर हिंसात्मक माध्यम से ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने के लिए प्रयासरत थे। इस कारण यह काल भारतीय राजनीति में क्रांतिकारी कार्यविधियों की पुनरावृत्ति का काल माना जाता है।

35. असहयोग आंदोलन के दौरान विदेशी वस्त्रों के लिए जलाए जाने पर किसने महात्मा गांधी को लिखा कि 'यह निष्ठुर बर्बादी' है?

(a) मदन मोहन मालवीय (b) रवींद्रनाथ टैगोर

(c) शौकत अली (d) मोतीलाल नेहरू

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2002
U.P. P.C.S. (Pre) 2003
U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004
U.P. P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(b)

रवींद्रनाथ टैगोर ने आंदोलन एवं विरोध प्रदर्शन के विपरीत रचनात्मक कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया, जिसके कारण उन्होंने विदेशी वस्त्रों की होली जलाने के विपरीत गांधीजी को रचनात्मक कार्यक्रम अपनाने की बात अपने पत्र में कही। असहयोग आंदोलन के दौरान रवींद्रनाथ टैगोर ने विदेशी वस्त्रों को जलाए जाने को 'अविवेकी या निष्ठुर बर्बादी' कहा था।

36. निम्नलिखित में से किसने असहयोग आंदोलन के दौरान विदेशी वस्त्रों के जलाए जाने का विरोध किया था?

(a) रवींद्रनाथ टैगोर (b) सुभाष चंद्र बोस

(c) शौकत अली (d) सी.आर. दास

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. निम्नलिखित संस्थाओं में से कौन असहयोग आंदोलन (1920-22) के दौरान स्थापित की गई?

1. काशी विद्यापीठ **2.** गुजरात विद्यापीठ

3. जामिया मिलिया **4.** काशी हिंदू विश्वविद्यालय

कूट :

(a) केवल 1 तथा 2 (b) केवल 2 तथा 3

(c) केवल 1, 2 तथा 3 (d) उपर्युक्त सभी

U.P. P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(c)

असहयोग आंदोलन (1920-22) के दौरान काशी विद्यापीठ बनारस में वर्ष 1921 में, गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद में वर्ष 1920 में तथा जामिया मिलिया इस्लामिया अलीगढ़ में वर्ष 1920 में, जो बाद में दिल्ली ले जाया गया, स्थापित हुए। मदन मोहन मालवीय ने वर्ष 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी और वर्ष 1919 से वर्ष 1939 तक वे इसके कुलपति बने रहे।

38. 1921-22 के असहयोग आंदोलन का मुख्य प्रतिफल था–

(a) हिंदू-मुस्लिम एकता

(b) सूबों को अधिक शक्तियां

(c) केंद्रीय विधायिका सदन में चुने हुए सदस्यों की संख्या में वृद्धि

(d) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विभाजन

U.P. P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर–(a)

असहयोग आंदोलन अपने घोषित उद्देश्यों में आंशिक रूप से ही सफल रहा, परंतु अपने रचनात्मक कार्यों में इसे अवश्य अपार सफलता मिली। आंदोलन की सफलता सबसे अधिक इस बात में निहित है कि इसने कांग्रेस को नई दिशा प्रदान की, साम्राज्यवाद पर आघात किया एवं पूरे देश में राष्ट्र प्रेम और देशप्रेम के प्रति बलिदान की भावना को व्यापक रूप दिया। इस आंदोलन के दौरान हिंदू-मुस्लिम एकता अपने चरम पर थी।

39. निम्नांकित में किसका सुमेल नहीं है?

(a) 1885–भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना

(b) 1905–बंगाल विभाजन

(c) 1909–मार्ले-मिंटो सुधार

(d) 1930–असहयोग आंदोलन

U.P P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(d)

असहयोग आंदोलन का प्रारंभ 1 अगस्त, 1920 को हुआ था, जो चौरी-चौरा की घटना के बाद फरवरी, 1922 में स्थगित घोषित किया गया। वर्ष 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ हुआ था। अन्य तीनों युग्म सुमेलित हैं।

40. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित हैं?

(a) 1940 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन

(b) 1931 - राजगुरु को फांसी

(c) 1921 - असहयोग आंदोलन का प्रारंभ

Scanned with OKEN Scanner

(d) 1920 - रौलेट सत्याग्रह

U.P. P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर–(b)

प्रश्नगत घटनाएं एवं उनका समय इस प्रकार है–

दिसंबर, 1929	- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन
23 मार्च, 1931	- भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी
1 अगस्त, 1920	- असहयोग आंदोलन का आरंभ
अप्रैल, 1919	- रौलेट सत्याग्रह

इस प्रकार विकल्प (b) ही सही सुमेलित है।

41. निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार कीजिए–

कथन (A) : महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया गया।

कारण (R) : इस स्थगन का सी.आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू द्वारा विरोध किया गया।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर–(b)

महात्मा गांधी द्वारा फरवरी, 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित करने का कारण चौरी-चौरा की हिंसक घटना थी। साथ ही सी.आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू द्वारा असहयोग आंदोलन के स्थगन का कड़ा विरोध किया गया था। इस प्रकार, कथन एवं कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

42. असहयोग आंदोलन के दौरान किसने पटना कॉलेज छोड़ा, जबकि उसकी परीक्षा के केवल 20 दिन ही बचे थे?

(a) राजेंद्र प्रसाद (b) ब्रज किशोर

(c) जयप्रकाश नारायण (d) श्री कृष्ण सिन्हा

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

बिहार के सारण के सिताब दियारा में जन्में स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण ने असहयोग आंदोलन के दौरान पटना कॉलेज छोड़ा, जबकि उनकी परीक्षा के केवल 20 दिन ही बचे थे। इसके पश्चात उन्होंने कांग्रेस द्वारा संचालित बिहार विद्यापीठ में प्रवेश लिया।

43. निम्न में से किसने असहयोग आंदोलन-विरोधी सभा की स्थापना की?

(a) जमनादास ठाकुरदास (b) जयरामदास

(c) दौलतराम (d) माणिकलाल वर्मा

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(*)

पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास, जमनादास द्वारकादास, कावसजी जहांगीर, पी. सेठना और सीतलवाड़ आदि बंबई के उद्योगपति वर्ग के लोगों ने मिलकर 1920 ई. में असहयोग आंदोलन-विरोधी सभा की स्थापना की थी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने अपने प्रारंभिक उत्तर कुंजी में इसका उत्तर विकल्प (a) माना था लेकिन संशोधित उत्तर कुंजी में इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

स्वराज पार्टी का गठन (1923)

नोट्स

*वर्ष 1919 के भारतीय शासन अधिनियम द्वारा स्थापित केंद्रीय तथा प्रांतीय विधानमंडलों का कांग्रेस ने गांधीजी के निर्देशानुसार बहिष्कार किया था और वर्ष 1920 के चुनावों में भाग नहीं लिया। * असहयोग आंदोलन की समाप्ति और गांधीजी की गिरफ्तारी के बाद देश के वातावरण में एक अजीब निराशा का माहौल बन गया था। * ऐसी स्थिति में मोतीलाल नेहरू तथा सी.आर. दास ने एक नई विचारधारा को जन्म दिया। *मोतीलाल नेहरू तथा सी.आर. दास ने कांग्रेस को विधानमंडलों के भीतर प्रवेश कर अंदर से लड़ाई लड़ने का विचार प्रस्तुत किया तथा वर्ष 1923 के चुनावों के माध्यम से विधानमंडल में पहुंचने की योजना बनाई। * किंतु वर्ष 1922 में कांग्रेस के गया अधिवेशन में बहुमत के साथ इस योजना को अस्वीकार कर दिया गया। ***सी.आर. दास** (इस दौरान वे कांग्रेस के अध्यक्ष थे) ने **कांग्रेस की अध्यक्षता से त्याग-पत्र** दे दिया और **जनवरी, 1923 में मोतीलाल नेहरू के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी'** की स्थापना की। * इस **पार्टी का मुख्य उद्देश्य चुनावों के माध्यम से काउंसिलों में प्रवेश कर तथा उन्हें काम न करने देकर वर्ष 1919 के भारत शासन अधिनियम का उच्छेदन करना** था। ***सी.आर. दास स्वराज पार्टी के अध्यक्ष** तथा **मोतीलाल नेहरू** इसके **महासचिव** थे। ***श्रीनिवास आयंगर** (मद्रास प्रांत स्वराज पार्टी के संस्थापक) तथा **एन.सी. केलकर** स्वराज दल के अन्य प्रमुख नेता थे। * **वर्ष 1925 में विट्ठलभाई पटेल** का **सेंट्रल लेजिस्लेटिव** (केंद्रीय विधानमंडल) **असेंबली का अध्यक्ष** चुना जाना स्वराजियों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। *चितरंजन दास को **'देशबंधु'** के नाम से जाना जाता था। * देशबंधु का तात्पर्य है– The Friend of Nation. * चितरंजन दास **इंग्लैंड से वकालत की पढ़ाई** करने के बाद स्वदेश आकर बैरिस्टर हो गए तथा वकील के रूप में इनकी सबसे बड़ी सफलता **अलीपुर बमकांड केस में अरबिंद घोष का बचाव करना** था।

Scanned with OKEN Scanner